

Scheduled Castes and Scheduled Tribes

312. Shri G. Mohanty: Will the Minister of Home Affairs be pleased to state:

(a) the percentage of Scheduled Castes and Scheduled Tribes population, State-wise;

(b) whether an Assistant Commissioner for Scheduled Castes and Scheduled Tribes is appointed for each State; and

(c) the place where his head office is located?

The Deputy Minister in the Ministry of Home Affairs (Shrimati Chandrasekhar): (a) A statement showing the percentage of Scheduled Castes and Scheduled Tribes population, State-wise, based on the 1951 census, is laid on the Table. [See Appendix 1 annexure No. 35].

The figures on the basis of the 1961 census are not yet available.

(b) No.

(c) There are at present eleven Assistant Commissioners for Scheduled Castes and Scheduled Tribes with headquarters at Chandigarh, Jaipur, Bhopal, Lucknow, Baroda, Poona, Bhubaneswar, Hyderabad, Madras, Ranchi and Shillong. Besides, there is also an Assistant Commissioner for Scheduled Castes and Scheduled Tribes in the headquarters' office of the Commissioner at New Delhi.

Conversion of Residential Areas into Commercial Areas

313. Shri Yashpal Singh: Will the Minister of Home Affairs be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Delhi Administration has decided to charge extra money from landowners for converting their land in residential areas into commercial areas in New Delhi; and

(b) if so, what has been the reaction of the land owners to such a proposal?

The Minister of State in the Ministry of Home Affairs (Shri Datar): (a) It has been the policy of the Government to levy additional charges from the owners of houses built on sites, leased out to them for residential purposes in New Delhi, before granting permission for conversion of such premises into commercial premises.

(b) No lessee has objected to the levy of such charges uptill now.

Naga Hostiles

314. Shri Yashpal Singh: Will the Minister of Defence be pleased to state:

(a) whether it is a fact that some Naga hostiles were killed in an encounter with Indian security forces on the 30th June at a place called Okolong, 20 miles from Tanenlong; and

(b) if so, the circumstances which led to this event?

The Minister of Defence (Shri Krishna Menon): (a) and (b). On receipt of information about the hide-out of a Naga hostile leader in the area of Okoklong in Manipur, our security forces raided the place on 30th June 1962. Fire was exchanged between our security forces and the hostiles. As a result, three hostiles were killed and some arms and ammunition were recovered.

भवन निर्माण अनुदान

३१५. { श्री कछवाय :
श्री बड़े :
श्री मे० क० कुमारन :

क्या वैज्ञानिक अनुसंधान और सांस्कृतिक कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने सांस्कृतिक संस्थाओं को इमारत बनवाने के लिये अनुदान देने का फैसला किया है;

(ख) यदि हां, तो इस के लिये वर्ष १९६२-६३ के लिये कितनी धनराशि रखी गई है;

(ग) इस अनुदान को प्राप्त करने के लिये कौन सी शर्तें रखी गई हैं; और

(घ) अनुदान का आधार क्या होगा ?

बैज्ञानिक अनुसंधान और सांस्कृतिक कार्य मंत्री (श्री हुमायून कबिर) : (क) जी हां ।

(ख) ११ लाख रुपये ।

(ग) वे सांस्कृतिक संस्थायें, जो कम से कम तीन साल से काम कर रही हों और जो रजिस्ट्रेशन सोसायटीज एक्ट (XXI 1860) के या इसी तरह के एक्टों के अधीन रजिस्टर हो चुकी हैं, अनुदान के लिये आवेदन कर सकती हैं ।

(घ) संस्था के काम और उस की इमारत की जर्हुरत ।

अल्प बचत की राशि

३१६ { श्री कृष्णबाय :
श्री बड़े :

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) अल्प बचत योजना के अन्तर्गत १९६०-६१ और १९६१-६२ वर्ष में सरकार को कितना धन मिल सका है,

(ख) वर्ष १९६२-६३ में अल्प बचत से कितना धन एकत्र करने का लक्ष्य रखा गया है; और

(ग) इस योजना को लोकप्रिय बनाने के लिये क्या पग उठाये गये हैं ?

वित्त मंत्री (श्री मोरारजी देसाई)

(क) १९६०-६१ में लगभग १०५.६१

करोड़ रुपया और १९६१-६२ में लगभग ९०.५६ करोड़ रुपया ।

(ख) १९६२-६३ के बजट में छोटी बचतों से १०५ करोड़ रुपये की वास्तविक प्राप्ति होने का अनुमान किया गया है ।

(ग) छोटी बचतों के आन्दोलन सम्बन्ध में बराबर विचार किया जाता है और इसे अधिक लोकप्रिय बनाने के लिये समय समय पर आवश्यक उपाय किये जाते हैं । हाल में जो बड़े बड़े उपाय किये गये हैं उन में से कुछ का उल्लेख नीचे किया जाता है :—

(१) डाकखाना बचत बैंक में जमा की गयी रकमों के व्याज की दर १ अगस्त, १९६२ से व्यक्तिगत खातों की १० हजार रुपये तक की जमा रकमों के लिये २॥ प्रतिशत से बढ़ा कर ३ प्रतिशत और इस से अधिक की, १५ हजार रुपये तक की रकमों के लिये २ प्रतिशत से बढ़ा कर २॥ प्रतिशत कर दी गयी है;

(२) बढ़ने वाली सावधिक जमा योजना (क्यूम्यूलेटिव टाइम डिपॉजिट स्कीम) में १५ वर्ष वाला खाता जारी किया गया है और १० वर्ष व १५ वर्ष वाले खातों में जमा की गयी रकमों पर आयकर में छूट पाने की सुविधा दी गई है;

(३) सरकारी दफ्तरों और सरकारी क्षेत्र के प्रतिष्ठानों (अण्डरटेकिंग) में वेतन से सीधी बचत करने की योजना जारी की गयी है;

(४) १ जून, १९६२ में राजकोष बचत जमा पत्रों (ट्रेजरी सेविंग्स डिपॉजिट सर्टिफिकेट) और वाषिक की पत्रों (एन्यूइटी सर्टिफिकेट) पर दिये जाने वाले कमीशन की दर ॥ प्रतिशत से बढ़ा कर १ प्रतिशत कर दी गयी है; और

(५) वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों की मार्फत छोटी बचतों के बारे में प्रचार किया जाता है ।